बैंगन की प्रक्षेत्र कीमतें बढ़ने की संभावना

पंतनगर। 12 जून, 2010। विष्वविद्यालय के कृषि अर्थषास्त्र विभाग के वैज्ञानिक, डा. जगदीष कुमार ने इस मौसम में बैंगन के थोक भाव रू. 500 से रू. 625 प्रति कुन्तल के बीच रहने का पूर्वानुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान उनकी शोध टीम ने विष्वविद्यालय में चल रही राष्ट्रीय कृषि नवीयन परियोजना की उप–परियोजना 'इसटैबिलिषिंग एण्ड नेटवर्किंग ऑफ एग्रीकल्चर मार्केट इनटैलिजैन्स सेन्टर्स इन इंडिया' के अंतर्गत किया है। इस परियोजना का एक मुख्य उद्देष्य मुख्य कृषि जिन्सों के लिए बुआई से पूर्व एवं फसल कटाई के दौरान कीमतों का पूर्वानुमान करना है। परियोजना टीम ने हल्द्वानी नियमित कृषि उत्पादन मण्डी समिति, जो कि बैंगन के लिए उत्तराखण्ड की एक मुख्य मण्डी है, का बाजार सर्वेक्षण एवं पिछले 20 वर्षों की थोक कीमतों का विष्लेषण करने के पष्चात कीमतों का पूर्वानुमान लगाया है। डा. जगदीष कुमार ने बताया कि विष्लेषण द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि बैंगन की थोक कीमतें अगस्त 2010 में रू. 500 से रू. 600 प्रति कुन्तल तथा सितम्बर 2010 में रू. 525 से रू. 625 प्रति कुन्तल के मध्य तथा अक्टूबर 2010 में रू. 500 से रू. 625 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना है जबकि नवम्बर 2010 में बैंगन की थोक कीमतें रू. 500 से रू. 550 प्रति कुन्तल के मध्य रहने की संभावना है जो कि गत वर्ष के इन्ही महीनों की प्रक्षेत्र कीमतों से कुछ ज्यादा हैं। डा. कुमार ने कहा कि जो किसान आने वाले मौसम में बैंगन उगाना चाहते हों वे इन पूर्वानुमानों एवं अन्य मौसम सम्बन्धी कारकों को ध्यान में रखते हुए बैंगन की फसल के अंतर्गत उचित क्षेत्र का चयन करके अधिक लाभ उठा सकते हैं। इन महीनों में उपभोक्ता गोल बैंगन ज्यादा पसन्द करते हैं। अतः किसानों को आगामी मौसम में बैंगन की खेती अपनाते समय इस बात का भी ध्यान रखना होगा। व्यापारियों ने इस वर्ष बैंगन के अधिक उत्पादन की संभावना व्यक्त की है।

उत्तराखण्ड में बैंगन मुख्यतयाः मैदानी क्षेत्रों में लगभग 1685 हैक्टेयर क्षेत्रफल में उगाया जाता है। उत्तराखण्ड में चार मुख्य बैंगन उत्पादक जिले देहरादून, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर एंव नैनीताल हैं तथा सन 2007–08 में उत्तराखण्ड के कुल बैंगन उत्पादन में इनका योगदान 60 प्रतिषत था। उत्तराखण्ड में बैंगन की अधिकतम आवक अक्टूबर तथा नवम्बर माह में होती है यद्यपि बैंगन अगस्त से ही बाजार में आना शुरू हो जाता है तथा जनवरी तक चलता है।